प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं0 109/2017)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 28 दिसंबर, 2017

तुरंत जारी करने हेतु

वेबसाइटः **www.trai.gov.in**

''30 सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए ''भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट''

आज भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण ने 30 सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए ''भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट'' जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा 1 जुलाई, 2017 से 30 सितंबर, 2017 की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ–साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहॉ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियाम प्राधिकरण की वेबसाईट www.trai.gov.in पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए अधोहस्ताक्षरी (श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली) से दूरभाष–011–23221856 फैक्स–011–23235249 एवं ई–मेल: skmishra.trai@nic.in पर संपर्क किया जा सकता है।

जारी करने के लिए प्राधिकृत

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएण्डईए)

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादक संकेतक रिपोर्ट
जुलाई से सितंबर, 2017

कार्यकारी सारांश

1. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2017 के अंत में 1,210.84 मिलियन से घटकर सितंबर, 2017 के अंत में 1,206.71 मिलियन हो गई, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.34 प्रतिशत ह्रास दर दर्ज की गई। हालांकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष–दर–वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर 12.33 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। देश में 30 जून, 2017 को समग्र दूरसंचार घनत्व 93.98 से घटकर 30 सितंबर, 2017 को 93.40 हो गया।

देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान

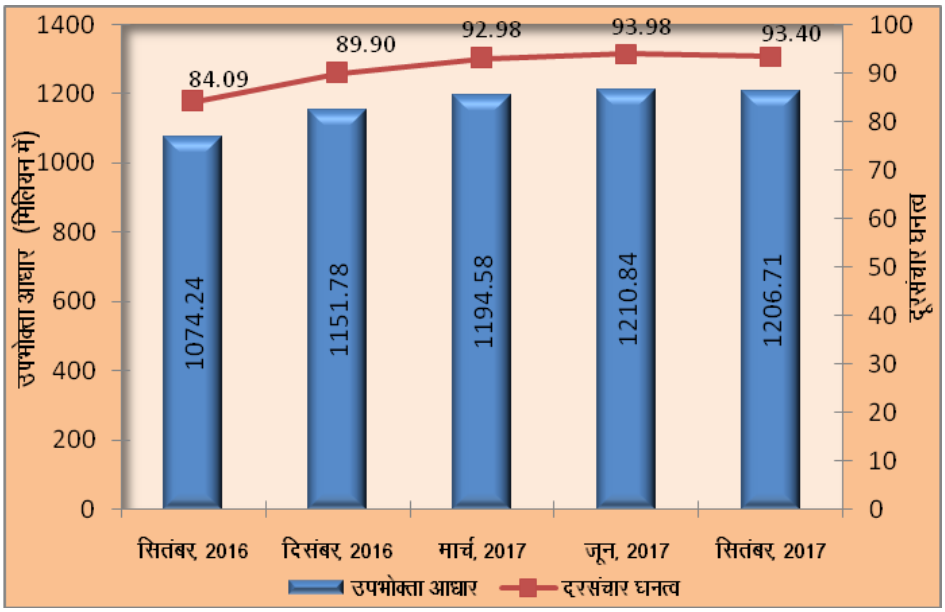

2. जून, 2017 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 700.96 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2017 के अंत में 704.89 मिलियन हो गया तथा इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व भी 172.98 से बढ़कर 173.15 हो गया। हालांकि इसी दौरान ग्रामीण दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या 509.88 मिलियन से घटकर 501.82 मिलियन हो गया तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 57.73 से घटकर 56.71 हो गया।

3. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी जून, 2017 के अंत तक 42.11 प्रतिशत से घटकर सितंबर, 2017 के अंत तक 41.59 प्रतिशत हो गई।

दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

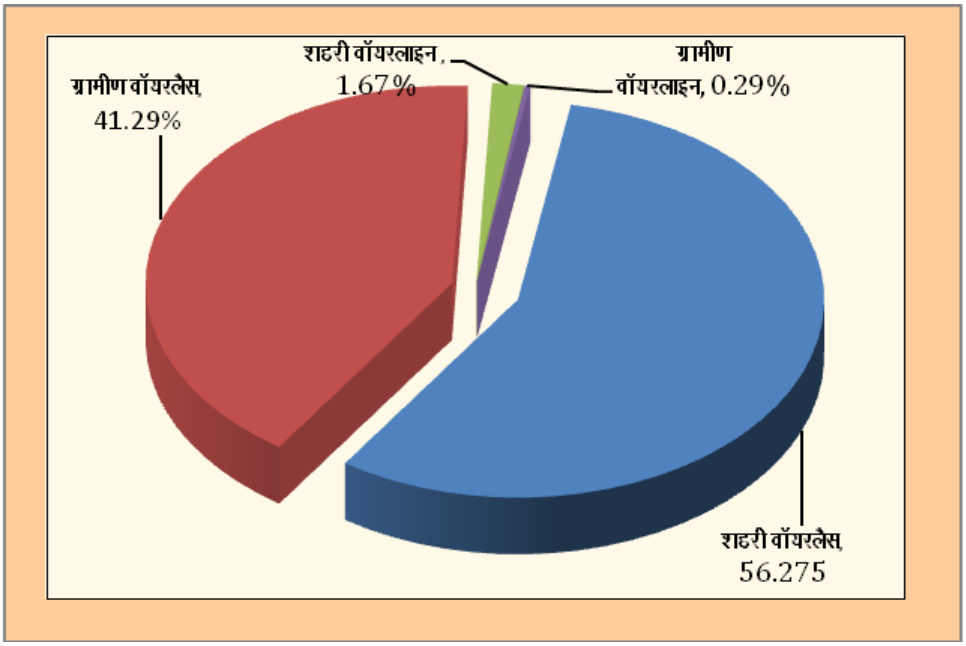

4. इस तिमाही के दौरान 3.80 मिलियन वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्याओं में कमी के साथ ही जून, 2017 के अंत तक कुल वॉयरलैस (जीएसएम+सीडीएमए) उपभोक्ताओं का आधार 1,186.84 मिलियन से घटकर सितंबर, 2017 के अंत तक 1,183.04 मिलियन हो गया, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.32 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई। हालांकि सितंबर, 2017 के लिये वॉयरलैस उपभोक्ताओं में 12.70 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गयी।

5. वायरलैस दूरसंचार घनत्व भी जून, 2017 के अंत में 92.12 से घटकर सितंबर, 2017 के अंत में 91.56 हो गया।

6. वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2017 के अंत में 24.00 मिलियन से और घटकर सितंबर, 2017 के अंत में 23.67 मिलियन रह गया जिसमें 1.37 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई। सितंबर, 2017 के लिए वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष दर वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 3.36 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

7. वॉयरलाइन दूरसंचार घनत्व भी जून, 2017 के अंत में 1.86 से घटकर सितंबर, 2017 के अंत में 1.83 रह गया।

8. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या जून, 2017 के अंत में 431.21 मिलियन से घटकर सितंबर, 2017 के अंत में 429.23 मिलियन हो गई जिसमें 0.46 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई। 429.23 मिलियन में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 21.35 मिलियन तथा वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 407.88 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

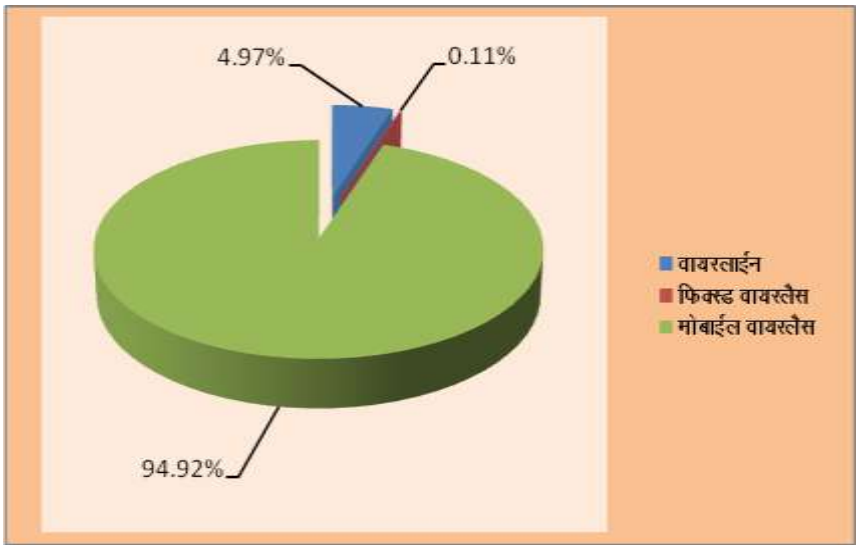

9. ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2017 के अंत में 300.84 मिलियन से बढ़कर सितंबर, 2017 के अंत में 324.89 मिलियन हो गई जिसमें 8.00 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई।

10. नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2017 के अंत में 130.38 मिलियन से घटकर सितंबर, 2017 के अंत में 104.34 मिलियन रही जिसमें 19.97 प्रतिशत की तिमाही कमी दर दर्ज की गई।

11. जीएसएम सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 5.42 प्रतिशत तिमाही वृद्धि दर के साथ जून, 2017 को समाप्त तिमाही के 80 रुपए से बढ़कर सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 84 रुपए हो गया। जबकि जीएसएम सेवा के लिए मासिक एआरपीयू इसी तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 30.65 प्रतिशत की दर से कम हो गया।

12. जीएसएम सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू जून, 2017 को समाप्त तिमाही में 65 रुपए से बढ़कर सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 71 रुपए हो गया, जबकि प्रतिमाह पोस्ट–पेड एआरपीयू जून, 2017 को समाप्त तिमाही में 389 रुपए से घटकर सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 361 रुपए हो गया।

13. अखिल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लिए समग्र उपयोग की गई मिनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह जून, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 428 से बढ़कर सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 437 हो गया।

14. जीएसएम प्रीपेड सेवा के लिए एमओयू प्रति उपभोक्ता जून, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 409 से बढ़कर सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 419 हो गया, जबकि पोस्ट–पेड एमओयू जून, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 832 से घटकर सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 818 हो गया।

15. सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 0.61 प्रतिशत वृद्धि दर के साथ जून, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 124 रुपए से बढ़कर सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए 125 रुपए हो गई। सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए मासिक एआरपीयू इस तिमाही में वर्ष–दर–वर्ष आधार पर 18.70 प्रतिशत की दर से कम हो गया।

16. सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी हेतु कुल एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह में 16.70 प्रतिशत की ह्रास दर्ज की गई अर्थात् जून, 2017 को समाप्त तिमाही में 246 से घटकर सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 206 हो गया। जून, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) एमओयू 105 से घटकर सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 83 हो गया जबकि अंतर्गामी (इनकमिंग) एमओयू जून, 2017 को समाप्त तिमाही में 142 से घटकर सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 123 हो गया।

17. सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंरचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमशः 66,362 करोड़ रुपए तथा 41,669 करोड़ रुपए रहा। सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर में 2.27 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई जबकि इसी दौरान एजीआर में 4.75 प्रतिशत की कमी दर दर्ज की गई।

18. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर तथा एजीआर में वर्ष दर वर्ष (वाई.ओ.वाई.) ह्रास दर क्रमशः 7.02 प्रतिशत तथा 17.55 प्रतिशत दर्ज की गई।

19. सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार पिछले तिमाही के 25,112 करोड़ रुपए से घटकर 24,693 करोड़ रुपए हो गया। सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए पास–थ्रू–प्रभार में तिमाही तथा वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः –1.679 प्रतिशत तथा 18.49 प्रतिशत रही।

20. जून, 2017 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क 3,261 करोड़ रुपए से घटकर सितंबर, 2017 में 3,249 करोड़ रुपए हो गया। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः –0.35 तथा –20.57 प्रतिशत रही।

21. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 76.72 प्रतिशत का योगदान दिया। सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) तथा पास–थ्रू प्रभारों (एसयूसी) में क्रमशः 5.05 प्रतिशत, 6.27 प्रतिशत तथा 2.74 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि लाइसेंस शुल्क तथा स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार में क्रमशः 0.52 प्रतिशत तथा 4.01 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

22. एजीआर आधारित एक्सेस सेवाओं के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) जून, 2017 को समाप्त तिमाही में 83.41 रुपए से बढ़कर सितंबर, 2017 को समाप्त तिमाही में 88.09 रुपए हो गया।

समायोजित सकल राजस्व का वितरण

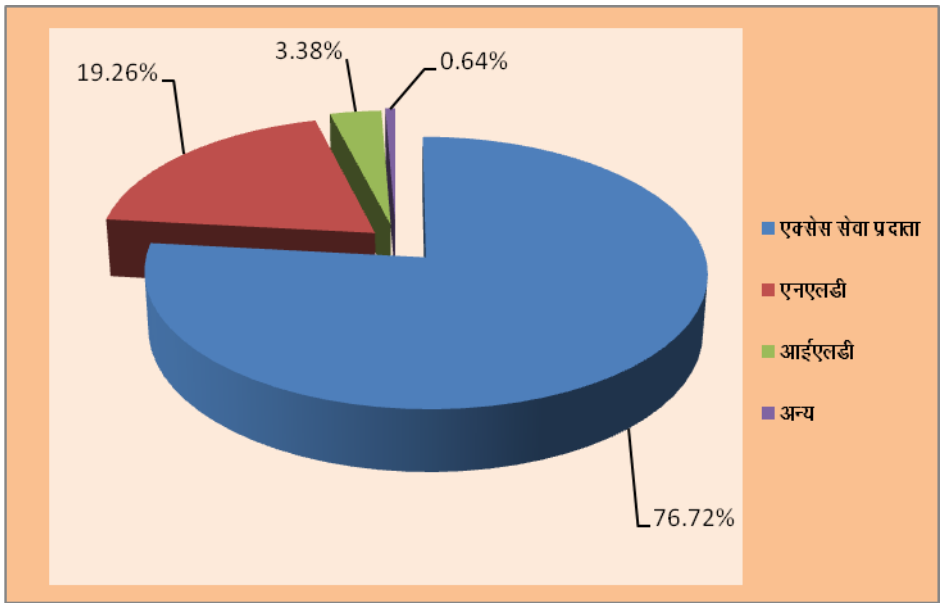

23. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा की गुणवत्ता के संदर्भ में 2जी वॉयरलैस सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:–

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• प्वाइंट ऑफ इंटरकनेक्सन (पीओआई) कंजेशन (बेंचमार्क पूरा नहीं करने वाले पीओआई की संख्या) • मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –प्रीपेड • बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट तथा वैधता शिकायतों का समाधान (छह सप्ताह के भीतर शत प्रतिशत) • शिकायतों के समाधान की तिथि से उपभोक्ता के खाते में राशि जमा/छूट दिए जाने/समायोजन किये जाने की अवधि	• डॉऊनटाईम के कारण सबसे अधिक प्रभावित बीटीएस • कॉल सेट–अप सफलता दर (लाइसेंसधारी के स्वयं के नेटवर्क के भीतर) • एसडीसीसीएच/पेजिंग चैनल कंजेशन • मीटरिंग तथा बिलिंग क्रेडिबिलिटी –पोस्टपेड • 3 प्रतिशत टीसीएच ड्रॉप (कॉल ड्रॉप) दर से अधिक, सर्वाधिक प्रभावित सेल • कॉल सेंटर/कस्टमर केयर तक पहुंच • 90 सेकण्ड के भीतर प्रचालक (वॉयस टू वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत • 7 दिनों के भीतर सेवा को समाप्त/बंद किए जाने हेतु अनुरोधों का प्रतिशत • खाता बंद करने के पश्चात् निक्षेपों के प्रतिदाय में लिया गया समय

24. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में 3जी वायरलैस सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:

सेवा गुणवत्ता में सुधार दर्शाने वाले मानदण्ड	सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• 3 प्रतिशत टीसीएच ड्रॉप (कॉल ड्रॉप) दर से अधिक, सर्वाधिक प्रभावित सेल तथा सर्किट स्वीच्ड वॉयस ड्रॉप दर:– (सीबीबीएच)	• एसडीसीसीएच/पेजिंग चैनल एवं आरसीसी कंजेशन (प्रतिशत में)

25. पिछली तिमाही की तुलना में इस तिमाही के दौरान सेवा गुणवत्ता के संदर्भ में वॉयरलाइन सेवा प्रदाताओं का निष्पादन नीचे दिया गया है:

सेवा गुणवत्ता में गिरावट दर्शाने वाले मानदण्ड
• खामियों की संख्या (प्रति 100 उपभोक्ता प्रति महिना खामियॉ) • अगले कार्य दिवस तक ठीक की गई खामियां (शहरी क्षेत्रों के लिए) • एम टी टी आर • 90 सैकिण्ड के भीतर ऑपरेटरों (वॉयस–टू–वॉयस) द्वारा उत्तर दी गई कॉलों का प्रतिशत

26. दिनांक 30.09.2017 की स्थिति के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) द्वारा केबल अपलिकिंग/डॉऊनलिकिंग/अपलिंकिंग के लिये 877 निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों को अनुमति प्रदान की गई है।

27. 48 प्रसारकों के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार 30 जून, 2017 की स्थिति के अनुसार 293 पे–चैनलों के मुकाबले 30 सितंबर, 2017 की स्थिति के अनुसार कुल 300 पे–चैनल थे। इन 300 पे–चैनलों में 215 एसडी पे–चैनल एवं 85 एचडी पे–चैनल शामिल है।

28. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आने के समय से डीटीएच सेवा में लगातार वृद्धि दर्ज की गई है। सितंबर, 2017 के अंत तक डीटीएच के सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 66.99 मिलियन पहुॅच गया है। सितंबर, 2017 के अंत तक इस उपभोक्ताओं की संख्या 6 पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं के द्वारा प्राप्त की गई है। यह संख्या दूरदर्शन के डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं के अलावा है।

29. ऑल इंडिया रेडियो, प्रसार भारती–सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा दिनांक 30 जून, 2017 की स्थिति के अनुसार 86 शहरों में कार्यरत 310 निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की तुलना में दिनांक 30 सितंबर, 2017 की स्थिति के अनुसार 86 शहरों में कुल 322 निजी एफएम रेडियो स्टेशन कार्य कर रहे हैं।

33. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 30 सितंबर, 2017 को अब तक जारी किये गये 280 सामुदायिक रेडियो लाइसेंसों में से 210 स्टेशन ही कार्यरत हैं।

मुख्य बातें

30 सितंबर, 2017 की स्थिति के अनुसार डॉटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वॉयरलैस+वॉयरलाइन)	
कुल उपभोक्ताओं की संख्या	1,206.71 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-0.34 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	704.89 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	501.82 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	89.59 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	10.41 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	93.40
शहरी दूरसंचार घनत्व	173.15
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	56.71
वॉयरलैस उपभोक्ता	
कुल वॉयरलैस उपभोक्ताओं की संख्या	1,183.04 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-0.32 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	684.77 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	498.28 मिलियन
जीएसएम उपभोक्ताओं की संख्या	1,173.63 मिलियन
सीडीएमए उपभोक्ताओं की संख्या	9.41 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	90.75 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	9.25 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	91.56
शहरी दूरसंचार घनत्व	168.20
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	56.31
तिमाही के दौरान वायरलेस डाटा यूसेज	5,430,046 टेराबाईट
वॉयरलाइन उपभोक्ता	
कुल वॉयरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या	23.67 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-1.37 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ताओं की संख्या	20.12 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	3.55 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	31.56 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	68.44 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	1.83
शहरी दूरसंचार घनत्व	4.94
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.40
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	2,07,292
पब्लिक कॉल ऑफिसों की संख्या (पीसीओ)	4,13,275

दूरसंचार वित्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	66,362 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	2.27 प्रतिशत
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	41,669 करोड़ रुपए
पिछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	4.75 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	8.87 प्रतिशत
एक्सेस सेवाओं हेतु प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू)	88.09 रुपए
इंटरनेट/ब्रॉडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	429.23 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-0.46 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	104.34 मिलियन
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	324.89 मिलियन
वॉयरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	21.35 मिलियन
वॉयरलैस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	407.88 मिलियन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	299.83 मिलियन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	129.41 मिलियन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	33.22
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	73.65
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या	14.62
प्रसारण और केबल सेवाएं	
सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेलीविजन चैनलों की संख्या	877
पे–टीवी चैनलों की संख्या	300
निजी एफएम रेडियो स्टेशनों की संख्या	322
एक्टिव डीटीएच उपभोक्ताओं की संख्या	66.09 मिलियन
लाईसेंस प्राप्त कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	280
चालू कम्यूनिटी रेडियो स्टेशनों की संख्या	210
पे–डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	6
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
जीएसएम पूर्ण मोबिलिटी सेवा हेतु मासिक एआरपीयू	84 रुपए
सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा हेतु मासिक एआरपीयू	125 रुपए
जीएसएम पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू)	437 मिनट
सीडीएमए पूर्ण मोबिलिटी सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मिनट (एमओयू)	206 मिनट
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) उपयोग मिनट	283 मिलियन
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डॉटा उपयोग	
जीएसएम हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग	1,610 एमबी
सीडीएमए हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग	454 एमबी
प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह डॉटा उपयोग–कुल (जीएसएम+सीडीएमए)	1,600 एमबी
जीएसएम सेवा के लिए प्रति जीबी बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) डाटा का मूल्य	21.22 रुपए
सीडीएमए सेवा के लिए प्रति जीबी बहिर्गामी (ऑऊटगोईंग) डाटा का मूल्य	114.50 रुपए